दिल्ली पब्लिक स्कूल जम्मू

सत्र **(** 2019 – 2020**)**

अभ्यास प्रश्न–पत्र–1

कक्षा : नवमीं

पाठ्यक्रम : दुःख का अधिकार, रैदास के पद

व्याकरण : उपसर्ग प्रत्यय, अपठित गद्यांश, अनुच्छेद लेखन

प्रश्न–1) अपठित–गद्यांश

शिक्षा और गुरु के माध्यम से ही हम अपने आंतरिक गुणों को प्रकाश में लाते हैं। यदि घर्म के मार्ग पर चलकर मानव विज्ञ बनता है, तो यह अपने जीवन के मार्ग के विकास के लिए अनवरत लगकर जीवन को सफल बनाता है और सम्यक् ज्ञान, गुण, धर्म से अपने जीवन को ब्रह्म से जोड़कर करोड़ों जन्मों के कर्मों से मुक्ति प्राप्त करता है, किंतु यह शिक्षा के द्वारा ही संभव है। शिक्षा भी दो माध्यमों से मिलती है। एक जीविकोपार्जन का माध्यम बनती है तथा दूसरी से जीवन–साधना संभव होती है। दोनों में परिपूर्णता गुरु के माध्यम से ही होती हैं। जीविकोपार्जन की शिक्षा पाकर यह संसार बड़ा सुखमय प्रतीत होता है और जलते हुए दीपक के प्रकाश जैसा वह बाहरी जीवन में प्रकाश पाता हैं। दूसरी शिक्षा पाने के लिए सत्गुरु की तलाश होती है। वह सत्गुरु कहीं भी कोई भी हो सकता है, जैसे तुलसीदास की सच्ची गुरु उनकी पत्नी थी, जिनकी प्रेरणा से उनके अंतर्मन में प्रकाश भर गया और सारे विकार धुल गए। मन स्वच्छ हो गया। अपने दुर्लभ जीवन को सफल बनाकर हमेशा–हमेशा के लिए सुखद जीवन जिए। ऐसे ही ब्रह्म–ज्ञान व आत्मनिरूपण की सच्ची शिक्षा के बिना सार्थक जीवन नहीं मिलता। सच्चा ज्ञान मुक्ति का मार्ग है।

भारत में गुरु–शिष्य संबंध का वह भव्य रूप आज साधुओं, पहलवानों और संगीतकारों में ही थोड़ा–बहुत पाया जाता है। भगवान रामकृष्ण बरसों योग्य शिष्य को पाने के लिए प्रार्थना करते रहे। उनके जैसे व्यक्ति को भी उत्तम शिष्य के लिए रो–रोकर प्रार्थना करनी पड़ी थी। इसी से समझा जा सकता है कि एक गुरु के लिए उत्तम शिष्य कितना महँगा और महत्वपूर्ण है।

क) मनुष्य अपने जीवन को किस प्रकार सफल बनाता है?

ख) गद्यांश में शिक्षा के किन माध्यमों की चर्चा की गई है? स्पष्ट कीजिए।

ग) तुलसीदास की सच्ची गुरु कौन थी तथा उनका तुलसीदास पर क्या प्रभाव पड़ा?

घ) प्रस्तुत गद्यांश का सर्वाधिक उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

प्रश्न–2) खरबूज़े बेचने वाली बुढ़िया और संभ्रांत महिला दोनों पुत्र–वियोगिनी हैं। दोनों के दुख की अनुभूति समान है लेकिन उनके दुख के अधिकार में अंतर है। कैसे? पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न–3) पाठ 'दुख का अधिकार' में किन–किन अंध–विश्वासों को बेनकाब किया गया है?

प्रश्न–4) 'रैदास के पद' में ''तुम दीपक हम बाती''– पंक्ति में आध्यात्मिक भाव निहित है उसे स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न–5) (i) निम्नलिखित शब्दों में उपसर्ग और मूल शब्द अलग करें :–

क) अनुभूति ख) अपमान

(ii) निम्नलिखित शब्दों में मूल शब्द और प्रत्यय अलग करें :–

क) बुढ़िया ख) तरावट

प्रश्न–6) दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर निम्नलिखित विषय पर 80 से 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए।

<u>ऐसी बानी बोलिए, मन का आपा खोय</u>

संकेत बिंदु :– वाणी श्रोष्ठतम वरदान

मधुर वाणी से लाभ

कटु वचनों का कुप्रभाव

निष्कर्ष।